28 साल बाद फिर साथ आएंगे नागार्जुन और तब्बू

अपनी 100वीं फिल्म 'किंग 100' में 28 साल बाद तब्बू के साथ ऑनस्क्रीन वापसी करेंगे. रा कार्तिक के निर्देशन में बन रही यह फिल्म माता-पिता और बेटी की कहानी पर आधारित है.

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन और बॉलीवुड की दमदार अभिनेत्री तब्बू एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सितारे नागार्जुन की 100वीं फिल्म किंग 100 में साथ काम करेंगे. इस खबर ने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, क्योंकि यह जोड़ी करीब 28 साल बाद पर्दे पर साथ दिखेगी.

90 के दशक में नागार्जुन और तब्बू की जोड़ी काफी पॉपुलर रही थी. दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया. इतना ही नहीं, दोनों के रिश्ते को लेकर भी उस समय काफी चर्चाएं होती थीं. हालांकि, समय के साथ दोनों अपने-अपने रास्तों पर आगे बढ़ गए, लेकिन अब 'किंग 100' के जरिए उनकी वापसी फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है.फिल्म 'किंग 100' का निर्देशन रा कार्तिक कर रहे हैं. यह फिल्म एक भावनात्मक कहानी पर आधारित बताई जा रही है, जो एक माता-पिता और बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमेगी. इस फिल्म में नागार्जुन अलग-अलग उम्र के किरदार में नजर आएंगे 25 साल से लेकर 60 साल तक. इसके लिए फिल्म में डी-एजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जो इसे और भी खास बनाता है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब तब्बू को नागार्जुन की 100वीं फिल्म के बारे में पता चला, तो उन्होंने खुद इसका हिस्सा बनने की इच्छा जताई. नागार्जुन ने भी बताया कि उनका रिश्ता बहुत पुराना है और वे एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं. उनकी यह आपसी समझ और केमिस्ट्री फिल्म में देखने को मिल सकती है, जो दर्शकों के लिए खास अनुभव होगा. फिल्म में नागार्जुन और तब्बू के अलावा सुष्मिता भट्ट और विजयेन्द्र भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. गौरतलब है कि दोनों को आखिरी बार 1998 की फिल्म आविदा मां आविदे में साथ देखा गया था. इसके बाद अब इतने लंबे अंतराल के बाद उनकी वापसी फैंस के लिए बेहद खास मानी जा रही है. कुल मिलाकर, 'किंग 100' सिर्फ नागार्जुन के करियर की माइलस्टोन फिल्म ही नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक जोड़ी की वापसी भी साबित हो सकती है.

स्टंट्स मेरे लिए मुश्किल नहीं, जुनून है : मेघा रे

अभिनेत्री मेघा रे का कहना है कि स्टंट्स उनके लिए मुश्किल नहीं, जुनून है. सन नियो के शो 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' में दिव्या का किरदार निभाते हुए मेघा लगातार हाई-एनर्जी स्टंट और एक्शन से भरपूर सीन के जरिए अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रही हैं.मेघा रे ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'जब से मैं शो में 'सुपर आंटी' बनी हूँ, तब से मैं हर हफ्ते एक नया स्टंट कर रही हूँ और सच कहूँ तो यह एक बेहद रोमांचक सफर रहा है. बचपन में मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली सुपरहीरो फिल्मों में से एक 'द डार्क नाइट ट्रिलॉजी' थी, जिसे क्रिस्टोफर नोलन ने बनाया था. उनकी बैटमैन फिल्मों ने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला. किशोरावस्था में बैटमैन ही वह सुपरहीरो थे, जिन्होंने मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित किया. और अब मुझे लगता है कि मैं अपने तरीके से उसी सपने को जी रही हूँ.

जेके मैक्स पेंट्स ने अक्षय कुमार को बनाया ब्रांड एंबेसडर

जेके मैक्स पेंट्स ने बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है. यह रणनीतिक साझेदारी ब्रांड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी भारत के तेजी से बढ़ते डेकोरेटिव पेंट्स बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है.

अक्षय कुमार की विश्वसनीयता, भरोसा और निर्भरता जैसे गुण जेके मैक्स पेंट्स के ब्रांड मूल्यों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं. भारतीय दर्शकों और घर के मालिकों के बीच अपनी जबरदस्त लोकप्रियता के लिए मशहूर अक्षय कुमार, ब्रांड में प्रामाणिकता और एक सहज जुड़ाव लेकर आते हैं. प्रदर्शन और भरोसे के एक विश्वसनीय चेहरे को साथ जोड़कर, जेके मैक्स पेंट्स का लक्ष्य उपभोक्ताओं के बीच अपनी पहचान को और भी मजबूत बनाना है.

होम ब्यूटीफिकेशन क्षेत्र में चार दशकों से अधिक की अपनी शानदार विरासत और जेके वॉलमैक्स वॉल पुट्टी की बाजार में अग्रणी पकड़ के आधार पर, जेके मैक्स पेंट्स का लक्ष्य देशभर के उपभोक्ताओं के बीच होम डेकोरेटिव सॉल्यूशंस के लिए पहली पसंद बनना है.

अक्षय कुमार का स्वागत करते हुए व्हाइट सीमेंट एवं पेंट्स के बिज़नेस हेड, नितिश चोपड़ा ने कहा, 'यह साझेदारी जेके मैक्स पेंट्स को एक मजबूत और भविष्य के लिए तैयार ब्रांड के रूप में स्थापित करने की हमारी यात्रा का अहम् पड़ाव है. जैसे-जैसे हम नए बाजारों में विस्तार कर रहे हैं, हमारा पूरा ध्यान ग्राहकों का भरोसा जीतने और उन्हें बेहतरीन परफॉर्मेंस वाले उत्पाद देने पर है. अक्षय कुमार की विश्वसनीयता और उनकी जबरदस्त लोकप्रियता हमारी ब्रांड स्टोरी को और भी प्रभावशाली बनाएगी.'

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने कहा, 'कुछ साझेदारियां दिल से सही लगती हैं, और यह उनमें से एक है.

मैं रेवती के लिए असल जिंदगी में भी बुदबुदाने लगी हूं : मानसी

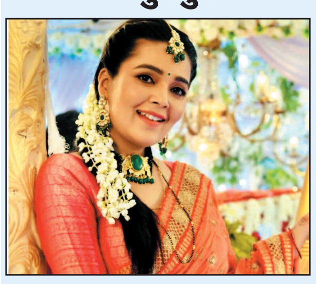

ज़ी टीवी का फैमिली ड्रामा 'लक्ष्मी निवास' अपने सादगी भरे और दिल से जुड़े अंदाज़ के साथ दर्शकों के बीच खास जगह बना रहा है. शो में मिडिल क्लास परिवार की जिंदगी, रिश्तों और छोटी-छोटी बातों को बहुत ही सच्चाई से दिखाया जा रहा है, जिससे हर किरदार अपने जैसा लगता है. जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ रही है, दर्शक इन किरदारों से और ज्यादा जुड़ते जा रहे हैं. इन्हीं किरदारों में एक नाम है रेवती का, जिसे मानसी श्रीवास्तव निभा रही हैं. एक सीधी-सादी और परिवार का ख्याल रखने वाली गृहिणी, रेवती अपने घर और अपनों की देखभाल में ही खुशी ढूंढती है. उसकी यही सादगी उसे खास बनाती है, लेकिन उसकी एक आदत ने दर्शकों का खास ध्यान खींचा है उसका हर समय धीरे-धीरे बुदबुदाना. यही प्यारी-सी आदत उसके किरदार में एक अलग-सा आकर्षण जोड़ती है. शो में तो दादी ने उसे प्यार से 'गुनगुनाती गौरी' नाम भी दे दिया है, जो अब दर्शकों के बीच भी यादगार बन गया है. दिलचस्प बात यह है कि रेवती की यह छोटी सी आदत अब मानसी की असल जिंदगी का भी हिस्सा बन गई है. अपने किरदार को पूरी तरह सच्चा दिखाने के लिए मानसी ने खुद भी रोजमर्रा की जिंदगी में बुदबुदाना शुरू कर दिया, ताकि यह आदत एक्टिंग नहीं बल्कि स्वाभाविक लगे.

कलाकारों ने बताए अपने सबसे मजेदार अप्रैल फूल्स के पल

हर साल अप्रैल फूल्स डे अपने साथ हंसी, हल्के-फुल्के मजाक और यादगार पलों की भरमार लेकर आता है. यह वह समय होता है जब सबसे व्यस्त कलाकार भी अपने शरारती अंदाज़ को खुलकर सामने लाते हैं और शूटिंग के सामान्य दिनों को खुशी और मस्ती से भर देते हैं. इस 1 अप्रैल को टीवी सितारों ने अपने कुछ सबसे मजेदार फ्रैंक साझा किए, जिन्होंने उनके सह-कलाकारों को चौंका दिया, उलझन में डाल दिया और अंत में सबको ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया. इनमें सीरत कपूर जो 'घरवाली पेड़वाली' में सावी का किरदार निभाती हैं, और रोहिताश्व गौर, जो 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में मनमोहन तिवारी का रोल निभाते हैं, ने भी ऐसे ही दिलचस्प किस्से साझा किए. सीरत कपूर ने अपने शरारती अंदाज़ का खुलासा करते हुए कहा, 'मुझे ऐसे बैंक प्लान करना बहुत पसंद है जिनमें थोड़ी मेहनत लगे लेकिन असर बड़ा हो! एक अप्रैल फूल्स डे पर मैंने हमारे पूरे सेट को एक मिस्ट्री ड्रामा जैसा बना दिया.

'राजा शिवाजी' का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज

जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी ने रितेश विलासराव देशमुख की निर्देशित- अभिनीत 'राजा शिवाजी' का फर्स्ट लुक टीज़र

रिलीज कर दिया है. फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ थिएटर में मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद अब यह टीज़र डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी आ गया है, जिससे फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है.

यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की महान विरासत को बड़े स्तर पर पेश करती है और मराठी सिनेमा में एक पैन-इंडिया स्पेक्टेकल के रूप में सामने आ रही है. रितेश विलासराव देशमुख इस फिल्म में अभिनय करने के साथ-साथ निर्देशन भी कर रहे हैं. फिल्म में भव्यता के साथ एक भावनात्मक और प्रेरणादायक कहानी दिखाई गई है, जो स्वराज्य के जन्म पर आधारित है.

टीज़र में एक बेटे की कहानी की झलक मिलती है, जिसने संकल्प लेकर इतिहास बदल दिया. इसमें जोश, भावना और वीरता का दमदार मिश्रण देखने को मिलता है. फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन,महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते जिनिलीया देशमुख के साथ रितेश विलासराव देशमुख नजर आएंगे.

फिल्म का संगीत अजय-अतुल ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने की है. भव्य एक्शन और शानदार तकनीक के साथ यह फिल्म एक बड़े सिनेमाई अनुभव का वादा करती है.

थिएटर में इसके टीज़र को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जहां दर्शकों ने तालियों और उत्साह के साथ इसे सराहा. अब डिजिटल रिलीज़ के बाद फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं.

नेहा एसके मेहता ने सुम्बुल तौकीर के साथ रिश्ते पर बात की

वरिष्ठ अभिनेत्री नेहा एसके मेहता ने हाल ही में अपनी सह कलाकार सुम्बुल तौकीर खान के साथ बने खास रिश्ते के बारे में बात की है. सोनी सब का शो इत्ती सी खुशी अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) की भावनात्मक कहानी को दर्शाता है, जिसमें वह अपने भाई-बहनों के लिए मज़बूती, गरिमा और अटूट समर्पण के साथ ज़िंदगी की चुनौतियों का सामना करती है.

वरिष्ठ अभिनेत्री नेहा एसके मेहता, जो शो में अन्विता की माँ हेतल दिवेकर का किरदार निभा रही हैं, ने हाल ही में अपनी सह कलाकार सुम्बुल तौकीर खान के साथ बने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की. जो रिश्ता एक प्रोफेशनल जुड़ाव से शुरू हुआ था, वह अब एक गहरे स्नेह में बदल गया है. नेहा ने स्नेहपूर्वक उनके रिश्ते को परिवार जैसा बताया, जो सेट से बाहर भी उनके लिए उतना ही खास है.

अपने ऑफ-स्क्रीन रिश्ते के बारे में बात करते हुए, नेहा एसके मेहता ने कहा, 'शुरुआत से ही मेरे और सुम्बुल के रिश्ते में एक सच्ची और सुकून देने वाली भावना रही है. वे बेहद टैलेंटेड हैं, लेकिन साथ ही ईमानदार, सम्मानजनक और गर्मजोशी से भरी हुई भी हैं.

मिलिंद बने ग्लूकॉन-डी रिचार्ज 'के ब्रांड एंबेसडर

ज़ाइडस वेलनेस ने अपने नए उत्पाद, 'ग्लूकॉन-डी रिचार्ज' के लिए फिटनेस आइकन और अभिनेता मिलिंद सोमन को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है. यह कदम कंपनी के 'परफॉर्मेंस हाइड्रेशन' सेगमेंट में प्रवेश को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देना है. यह प्रोडक्ट रेडी-टू-ड्रिंक बोतल और सैशे स्टिक्स दोनों फॉर्मेट में उपलब्ध है.

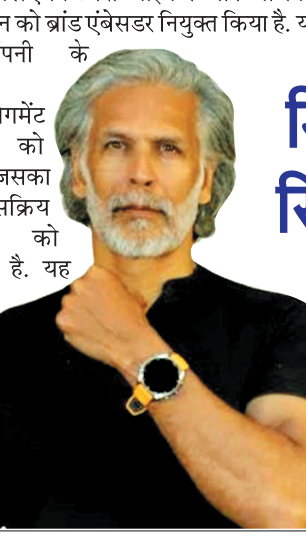

यह लॉन्च ग्लूकॉन-डी के विकास को दर्शाता है, जो अब केवल इंस्टेंट एनर्जी देने वाले ग्लूकोज़ पाउडर से आगे बढ़कर आधुनिक, एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाने वाले उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा और हाइड्रेशन दोनों की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है.

मिलिंद सोमन ने कहा, कि उनके लिए फिटनेस का मतलब परफेक्शन नहीं, बल्कि नियमितता है. उन्होंने कहा, 'छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें ही सबसे बड़ा बदलाव लाती हैं. ग्लूकॉन-डी रिचार्जलोगों को अपने तरीके से एक्टिव रहने और सही ऊर्जा व हाइड्रेशन पाने के लिए प्रेरित करता है.

मस्तिष्क दान : समझ की जरूरत

ऑटिज़्म जैसे जटिल न्यूरोविकास संबंधी विकार को समझने और उसके इलाज की दिशा में आगे बढ़ने के लिए वैज्ञानिक एक महत्वपूर्ण लेकिन कम चर्चित प्रक्रिया—मस्तिष्क दान—पर ज़ोर दे रहे हैं. ऑटिज्म ब्रेननेट द्वारा किए गए एक हालिया सर्वेक्षण में यह सामने आया कि जहां अधिकांश लोग ऑटिज़्म पर शोध को बेहद महत्वपूर्ण मानते हैं, वहीं बहुत कम लोगों को यह पता है कि मस्तिष्क दान इस शोध की रीढ़ है.

सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 92 प्रतिशत लोगों ने माना कि ऑटिज़्म से प्रभावित मस्तिष्क का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है, लेकिन करीब 70 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मस्तिष्क दान के बारे में कभी सुना ही नहीं. यह अंतर इस बात को दर्शाता है कि लोग प्रगति तो चाहते हैं, पर उसके लिए आवश्यक प्रक्रियाओं से अनजान हैं. वहीं अंग दान के बारे में जागरूकता काफी अधिक है—80 प्रतिशत से ज़्यादा लोग इससे परिचित हैं—लेकिन केवल 15 प्रतिशत लोगों को यह जानकारी है कि मस्तिष्क दान, अंग दान से अलग प्रक्रिया है और इसके लिए अलग से अनुमति देनी होती है.

विशेषज्ञों के अनुसार, मरणोपरांत प्राप्त मस्तिष्क ऊतक शोध के लिए बेहद जरूरी होते हैं. आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या पशु प्रयोग भी मानव मस्तिष्क के वास्तविक स्वरूप को पूरी तरह नहीं समझा सकते. यही कारण है कि वैज्ञानिकों के लिए विविध प्रकार के मस्तिष्क नमूने अत्यंत मूल्यवान होते हैं, खासकर उन लोगों के जिनमें ऑटिज़्म या मिर्गी जैसी स्थितियां होती हैं.

मस्तिष्क दान केवल शोध के लिए होता है, न कि प्रत्यारोपण के लिए. ऑटिज्म ब्रेननेट इस पूरी प्रक्रिया को संभालता है और परिवारों को किसी प्रकार का आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ता. साथ ही, अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पर भी इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता, जिससे परिवार अपने प्रियजनों को सम्मानपूर्वक विदाई दे सकते हैं.

आर्टेमिस : भविष्य की उड़ान

आर्टेमिस अभियान के ज़रिए नासा एक बार फिर चांद की ओर लौट रहा है, लेकिन यह केवल दोहराव नहीं बल्कि भविष्य की बड़ी योजना का हिस्सा है. लगभग पचास वर्षों बाद चांद पर जाने का मकसद अब सिर्फ़ झंडा गाड़ना नहीं, बल्कि वहां स्थायी उपस्थिति बनाना और आगे चलकर मंगल ग्रह तक पहुंचने की तैयारी करना है. इस कार्यक्रम पर अब तक अरबों डॉलर खर्च हो चुके हैं और हज़ारों वैज्ञानिक व इंजीनियर इसमें लगे हैं.

चांद अब पहले जैसा साधारण, बंजर पिंड नहीं माना जा रहा. वैज्ञानिकों के अनुसार वहां दुर्लभ धातुएं, लोहा, टाइटेनियम और सबसे महत्वपूर्ण—पानी मौजूद है. खासकर ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ के रूप में पानी मिलने की संभावना है. यह पानी पीने, ऑक्सीजन बनाने और यहां तक कि रॉकेट ईंधन तैयार करने में काम आ सकता है. यानी चांद भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों का ईंधन केंद्र बन सकता है. इस अभियान के पीछे एक बड़ा कारण वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी है. जिस तरह शीत युद्ध के समय अमेरिका और

सोवियत संघ के बीच अंतरिक्ष दौड़ थी, आज वही स्थिति अमेरिका और चीन के बीच दिखाई दे रही है. दोनों देश चांद के उन हिस्सों तक पहुंचना चाहते हैं जहां संसाधन अधिक हैं. अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार कोई देश चांद का मालिक नहीं बन सकता, लेकिन वहां संसाधनों का उपयोग संभव है, जिससे प्रतिस्पर्धा और तेज़ हो गई है.

चांद को मंगल मिशन की तैयारी के लिए प्रयोगशाला भी माना जा रहा है. वहां बेस बनाकर वैज्ञानिक यह सीख सकते हैं कि दूसरे ग्रहों पर लंबे समय तक कैसे रहा जाए, ऊर्जा कैसे उत्पन्न की जाए और अंतरिक्ष विकिरण से कैसे बचा जाए. चांद पर प्रयोग अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं, जबकि मंगल पर असफलता के परिणाम गंभीर हो सकते हैं.

वैज्ञानिक दृष्टि से भी चांद बेहद महत्वपूर्ण है. माना जाता है कि चांद का निर्माण अरबों साल पहले पृथ्वी से टकराए एक विशाल पिंड के अवशेषों से हुआ था. वहां की चट्टानें पृथ्वी के प्रारंभिक इतिहास को समझने का एक अनमोल स्रोत हैं. चूंकि वहां हवा और पानी नहीं है, इसलिए यह इतिहास अब भी सुरक्षित है.

आर्टेमिस अभियान का एक और उद्देश्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है. अंतरिक्ष अभियानों के माध्यम से विज्ञान, तकनीक और गणित के प्रति रुचि बढ़ेगी, जिससे भविष्य में नई खोजों और रोजगार के अवसर पैदा होंगे. कुल मिलाकर, चांद पर वापसी केवल अतीत की याद नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अगले बड़े कदम की तैयारी है.

टीसीएल का बड़ा टीवी धमाका

टीसीएल ने अपनी नई उच्च श्रेणी की मिनी एलईडी टेलीविजन श्रृंखला सी8एल को पेश कर तकनीकी बाज़ार में एक बार फिर हलचल मचा दी है. यह नई श्रृंखला फिलहाल यूरोप में लॉन्च की गई है और जल्द ही इसे अन्य बाजारों में भी अलग नाम से पेश किया जाएगा. बड़े आकार, उन्नत डिस्प्ले तकनीक और बेहतर प्रदर्शन के कारण यह श्रृंखला प्रीमियम वर्ग के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है.

इस नई टेलीविजन श्रृंखला में 98 इंच और 85 इंच जैसे बड़े आकार के विकल्प दिए गए हैं, जो घर पर ही सिनेमाघर जैसा अनुभव प्रदान करते हैं. इसमें एसक्यूडी-मिनी एलईडी तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे चित्र गुणवत्ता अत्यंत स्पष्ट और जीवंत दिखाई देती है. साथ ही, विस्तृत रंग दायरा और उन्नत रंग फ़िल्टर तकनीक के कारण हर दृश्य अधिक प्राकृतिक और आकर्षक बनता है.

चित्र की चमक और स्पष्टता इस श्रृंखला की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है. इसमें 6000 निट्स तक की अधिकतम ब्राइटनेस दी गई है, जिससे उच्च गतिशील परास वाले कंटेंट का अनुभव और भी बेहतर हो जाता है. गहरे काले रंग, चमकदार हाइलाइट्स और कम प्रकाश फैलाव के कारण दृश्य अधिक वास्तविक प्रतीत होते हैं. इसके साथ ही उन्नत डिमिंग क्षेत्र नियंत्रण तकनीक से प्रकाश को सटीक रूप से नियंत्रित किया जाता है.

रेडमी ए7 प्रो - सस्ता फोन, दमदार बैटरी

शाओमी ने अपने बजट श्रेणी के स्मार्टफ़ोन पोर्टफोलियो को विस्तार देते हुए रेडमी ए7 प्रो को लॉन्च कर दिया है. यह कंपनी की एंट्री स्तर की ए सीरीज़ का उन्नत संस्करण है, जिसमें बड़े बैटरी बैकअप, बेहतर प्रदर्शन और आधुनिक फीचर्स पर विशेष ध्यान दिया गया है. कम कीमत में अधिक सुविधाएं देने की रणनीति के तहत यह फ़ोन आम उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है.

इस स्मार्टफ़ोन में 6.9 इंच का बड़ा डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हर्ट्ज़ रिफ्रेश दर को सपोर्ट करता है. उच्च रिफ्रेश दर के कारण स्क्रीन पर स्क्रॉलिंग और वीडियो देखने का अनुभव अधिक स्मूद और आकर्षक हो जाता है. साथ ही, 800 निट्स तक की अधिकतम ब्राइटनेस के कारण तेज़ रोशनी में भी स्क्रीन स्पष्ट दिखाई देती है. इसमें वेट टच तकनीक 2.0 का उपयोग किया गया है, जिससे गीले हाथों या साबुन लगे होने पर भी टच स्क्रीन आसानी से काम करती है.

प्रदर्शन की बात करें तो यह फ़ोन ऑक्टा-कोर प्रोसेसर से लैस है और इसमें यूएफएस 2.2 स्टोरेज दी गई है, जो डेटा ट्रांसफर को तेज़ बनाती है. साथ ही, इसमें 8 जीबी तक वर्चुअल रैम का सपोर्ट मिलता है, जिससे मल्टीटास्किंग आसान हो जाती है. यह डिवाइस हाइपर ओएस 3 पर आधारित है, जो उपयोगकर्ताओं को बेहतर और सहज अनुभव प्रदान करने का दावा करता है.

बैटरी इस फ़ोन की सबसे बड़ी खासियतों में से एक है. इसमें 6000 मिलीएम्पियर घंटा की बड़ी बैटरी दी गई है, जो लंबे समय तक उपयोग की सुविधा देती है. कंपनी के अनुसार, यह फ़ोन लगभग 49 घंटे तक कॉलिंग, 35 घंटे तक वीडियो देखने और 77 घंटे तक संगीत सुनने का अनुभव दे सकता है. इस तरह यह उन उपयोगकर्ताओं के लिए उपयुक्त है, जिन्हें लंबे समय तक बैटरी बैकअप की आवश्यकता होती है.

कीमत की बात करें तो यह फ़ोन किफायती श्रेणी में रखा गया है. इसके 4 जीबी + 64 जीबी वेरिएंट की कीमत लगभग 11 हजार रुपये के आसपास है, जबकि 4 जीबी + 128 जीबी वेरिएंट की कीमत थोड़ी अधिक रखी गई है. कुल मिलाकर, यह स्मार्टफ़ोन कम बजट में आधुनिक फीचर्स और लंबी बैटरी लाइफ चाहने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरा है.